



मेरी फ्री हिंदी सेक्स स्टोरी की प्रशंसिका की चुदाई

“मेरी फ्री हिंदी सेक्स स्टोरी पढ़ कर एक लड़की ने मुझे मेल किया. वो मुझसे चुदाई करवाना चाहती थी. उसने बताया कि वो मेरे ही शहर की है. ...”

Story By: परीक्षित कुमार (pk961715)

Posted: Friday, October 6th, 2017

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [मेरी फ्री हिंदी सेक्स स्टोरी की प्रशंसिका की चुदाई](#)

मेरी फ्री हिंदी सेक्स स्टोरी की प्रशंसिका की चुदाई

नमस्कार मित्रो, मैं परीक्षित कुमार, आपके समक्ष उपस्थित हूँ बहुत दिनों के बाद मेरी नई फ्री हिंदी सेक्स स्टोरी के साथ. काम, परिवार के साथ समय का कुछ पता ही नहीं चलता है.

आज की कहानी मेरी स्वयं की है. यह बात पिछले वर्ष जुलाई की है. मैं और मेरा एक घनिष्ठ मित्र चिटू दोनों मेरी शॉप पर बैठे हुए बात कर रहे थे.

तभी चिटू के फोन पर काल आई और वो बात करने लगा, मैं भी मेरे लैपटॉप मेरी ईमेल आईडी पर पर मेल चेक करने लगा.

चिटू फोन से फ्री हुआ और हम फिर बातों में व्यस्त हो गए. बात करते करते हुए हंसी ठिठोली करने लगे.

थोड़ी देर बाद मैं अन्तर्वासना पर कहानी पढ़ने लगा.

कुछ देर बाद शॉप पर सामान खरीदने एक ग्राहक आये, मैंने उन्हें सामान दिया तो उसने थैंक्यू बोला.

कुछ देर ऐसे ही ग्राहकों को सम्भालने के बाद चिटू और मैं दोनों बात करने लगे. बात करते करते मैं मेरी मेल भी चेक कर रहा था.

रात को मैं घर पहुँचा.

उसके अगले दिन मुझे एक महिला का मेल प्राप्त हुआ जिसने मेरी किसी पुरानी कहानी/समस्या को पढ़कर रिप्लाई किया था. बस उसके बाद से ही हमारी चैटिंग जारी थी.

लगभग 2 महीने से मेरी उस महिला के साथ चैटिंग हो रही थी.

इसी तरह एक माह और निकल गया.

उस महिला ने मुझसे मिलने की और सेक्स की इच्छा व्यक्त की, यह बात सुन कर मेरी कामुकता जाग उठी पर मैंने उन्हें मना कर दिया.

उन्होंने कहा कि वो भी मेरे शहर में रहती है और मुझे और मेरे दोस्त चिटू को भी जानती है.

उस महिला ने मुझे मेरे बारे में थोड़ी और जानकारी बताई, तब मुझे लगा कि यह अवश्य ही कोई परिचित महिला है, पर कौन हो सकती है, यही मैं समझ नहीं पा रहा था.

मैंने मेरे मित्र चिटू से भी इस बारे में बात की, पर समझ नहीं पा रहा था कि यह कौन हो सकती है ?

फिर एक दिन उसने ही मुझे मिलने के लिये बोला, पर मैंने फिर मना कर दिया. इस पर उसने कहा कि वो अगले दिन वो मुझे मिलने के लिये आ रही है.

मैंने मजाक में टाल दिया और फिर काम पर निकल गया.

उस दिन चिटू भी मेरे साथ में ही था और दुकान में भी हम दोनों ही थे, तभी एक लड़की मेरी दुकान पर सामान लेने आई, मैंने कुछ देर बैठने के लिये कहा, क्योंकि मैं उस समय दूसरे कस्टमर के साथ व्यस्त था.

उसके बाद मैंने उसे उसका सामान दे दिया.

थोड़ी देर बाद अचानक ही उसने मुझसे मेरी शादीशुदा जीवन के बारे में पूछ लिया और चिटू से भी. पहले तो हम दोनों हक्के बक्के रह गए पर बाद में उसे बता दिया. वैसे उस लड़की के परिवार और हमारे परिवार से बहुत पुरानी पहचान है.

कुछ देर ऐसे ही बात करने के बाद अचानक ही उसने प्रिया (जो हमारी मित्र है बचपन की) के बारे में भी बता दिया और वो भी हमारे सेक्स के बारे में... पर परोक्ष रूप से!

इतना सुनकर तो मुझे और चिट्ठू दोनों को पसीना आ गया और हम दोनों एक दूसरे की तरफ देखते रहे.

तभी उसने मुस्कराते हुए उसने मुझे उस ईमेल वाली महिला के बारे में बताया. मैं तुरन्त समझ गया, और कुछ बोलता उससे पहले पहले ही उसने बता दिया कि जिससे मैं चैट कर रहा था यह वही लड़की है.

मैं कुछ भी बोलने के स्थिति में नहीं रहा और मेरी धड़कन भी तेज हो गई. कुछ देर बाद वो लड़की भी चली गई, मैं और चिट्ठू दोनों यही सोचते रहे कि उसे हमारे बारे में पता कैसे चला ?

जब रात में मैं घर पहुंचा तो मैंने तुरन्त मेरी ईमेल चेक की, उसमें उस लड़की का फिर से मैसेज था, मैंने उससे पूछा कि उसे हमारे बारे में कैसे पता चला तो उसने बताने से साफ मना कर दिया. पर उसने यह भी भरोसा दिलाया कि वो किसी को भी इस बात के बारे में नहीं बताएगी.

अगले दिन फिर वही लड़की मेरी दुकान पर आई और सीधे शब्दों में मुझे उसके साथ सेक्स करने का प्रस्ताव रखा. वैसे चिट्ठू और मैं, हम दोनों उसे बहुत सालों से जानते हैं, थोड़ी ही देर बाद चिट्ठू भी आ गया और चिट्ठू से भी वही बात की, मेरे मन में भी उस लड़की का ऑफर सुनकर मेरे मन में हवस कामुकता जाग उठी, पर अचानक किसी अनजान लड़की से सेक्स करना मुझे सुरक्षित नहीं लग रहा था. वैसे तो हम उसे बहुत सालों से जानते हैं फिर एक डर सा मन में था, लेकिन उसका ऑफर सुन मेरे मन भी हवस भरी हुई थी तो मैंने उसे रात में जवाब देने के लिये बोल दिया.

उसके जाने के बाद मैं चिट्ठू से इस बारे में बात करने लगा. बहुत देर तक इस बारे में बात करने पर हमारा मन भी उसके साथ चुदाई के लिये मान गया, और रात में मैंने उसे हाँ बोल

दिया, पर प्रोग्राम किस दिन फिक्स होगा यह तय नहीं किया था.

ऐसे ही उससे चेट करते हुए एक माह और बीत गया, मिलना तो कभी कभी तो पाता था, हाँ चेटिंग रोजाना होती थी. मेरी भी उससे खुली बात होने लगी और चिटू भी उससे बहुत खुल गया था. अब मुझे सिर्फ उस दिन का इन्तजार था क्योंकि शॉप से मुझे ज्यादा समय नहीं मिल पा रहा था, जगह की कोई समस्या मुझे थी नहीं.

कुछ दिन ऐसे ही सब चलता रहा और आखिर वो दिन भी आ ही गया. चिटू को किसी काम से जाना था, उसने मुझे भी चलने के लिये बोला और उस लड़की को भी बुला लिया क्योंकि चिटू से भी वो लड़की चुदना चाहती थी.

तय समय पर हम लोग घर से निकल लिये और साथ में उस लड़की को भी बैठा लिया. अब मैं थोड़ा उस लड़की के बारे में बताना चाहूँगा, उसका नाम जेसिका (बदला हुआ है, जो कि उसके कहने पर ही मैंने आपको बताया), आयु 25 वर्ष, रंग गोरा, हाइट 5.7 फ्रीट. रास्ते में हम तीनों हंसी मजाक करते हुए गए, पहले तो हमने चिटू का काम पूरा किया उसके बाद हम दोनों उसके बाद एक घर गए जो चिटू का ही है जहाँ हम दोनों अक्सर आते रहते हैं. पर पूरे रास्ते में मेरी धड़कन तेज हो रही थी.

हमने रास्ते में ही थोड़ा नाश्ता ले लिया था. जैसे ही हम दोनों घर के अंदर गए, चिटू पानी लेकर आया. उसके बाद चिटू ने एक और काम के सिलसले में चला गया और थोड़ी देर में आने के लिये बोल कर चला गया.

जैसे ही वो गया, मैंने तुरन्त ही दरवाजा बन्द किया और जेसिका को तुरन्त किस करने लगा क्योंकि अब मुझे सब्र नहीं हो रहा था.

थोड़ी देर मुझे किस करने के बाद उसने मुझे अलग किया और पूछने लगी- चिटू कितनी देर में आएंगे ?

मैं- थोड़ी देर में आ जायेगा.

इतना कहकर मैं फिर से उसे किस करने लगा और वो भी मेरा साथ देने लगी.

मेरी धड़कन अभी भी तेज चल रही थी. कुछ देर किस करने के बाद मैं उसके मम्मों को मसलने लगा, उसके कड़क मम्मों को मसलने का अलग ही आनन्द आ रहा था, जैसे मैं उसकी टीशर्ट के अंदर हाथ डालने लगा तुरन्त ही उसने किस करना बन्द कर मेरे गाल पर हल्का सा तमाचा जड़ दिया. मैं हक्का बक्का उसे ऐसे ही देखता रहा और वो भी कामुकता भरी नजरों से कुछ देर ऐसे ही देखकर फिर से मुझे किस करने लगी, मैं फिर से उसके मम्मों को कपड़ों के ऊपर से ही मसलने लगा.

उसके बाद उसने धीरे धीरे मेरे सारे कपड़ों को निकाल दिया और किस करते हुए एक हाथ से मेरे लंड को सहलाने लगी, मेरा लंड भी आधा खड़ा हो चुका था, पर मुझे थोड़ी शर्म भी आ रही थी.

अब जब उसके सामने पूरा नग्न हो ही चुका था तो मैंने भी सारी शर्म छोड़ दी.

अब जेसिका सेंडल निकाल कर घुटनों के बल बैठकर मेरे लंड को देखकर 'आअह्हह्हह...' बोलकर मेरी तरफ मुस्कुरा कर देखने लगी और फिर तुरन्त ही लंड को मुँह में लेकर चूसने लगी, पहले तो उसने टोपे पर हल्के हल्के से जीभ फिराई, उसके बाद पूरे लंड को मुँह में लेकर अंदर बाहर करने लगी.

तभी मैं उसके कपड़ों को निकालने लगा उसने फिर मुझे रोककर खुद ही उसके पूरे कपड़े निकाल दिए और फिर से मेरे लंड को चूसने लगी.

लगभग 15 मिनट तक वो ऐसे ही मेरे लंड को चूसती रही. पर उसने मुझे उसके शरीर के अंगों को ठीक से नहीं छूने दिया.

मैं बोला- मुझे भी तो मौका दो, मुझे क्यों छूने नहीं दे रही हो ?

जेसिका- इतनी बेसब्री ? मुझे नहीं पता था कि तुम इतने बेसब्र हो जाओगे !

मैं- बेसब्री नहीं यार, लंड को चूस रही हो, पर तुम्हारे शरीर को तो हाथ लगाने दो.

जेसिका- अच्छा ठीक है, थोड़ी देर बाद जो चाहे कर लेना, पर मैं भी क्या करूँ, 7 महीने बाद लंड को छुआ है, इसलिये मुझे पहले करने दो.
मैं- ठीक है.

उसके बाद कुछ देर और मेरे लंड को चूसा और पास में ही बेड पर लेट गई और मुझे खुला इनविटेशन दिया. मैं उसे फिर से किस करने लगा और उसके मम्मों को मसलने लगा. इस बार उसके मम्मों को मसलने में पहले से अधिक आनन्द आ रहा था.

कुछ देर ऐसे ही किस करते रहने के बाद उसके मम्मों को चूसने लगा, उसके मम्मों से हल्का हल्का सा रस भी निकल रहा था, जिसे चूसने में और भी मजा आ रहा था, मेरे एक हाथ की उंगली से उसकी चूत को चोद रहा था, उंगली से चोदने पर उसकी चूत भी गीली हो चुकी थी और वो साथ ही 'आआह्ह ह्हह आअह्ह स्स्सीईए सीईईए आह्हह्ह' जैसी सिसकारी भी निकाल रही थी.

तभी वो बोली- प्लीज लंड डाल दो न, अब सब्र नहीं हो रहा है.

मैं- पहले मेरा पूरा खड़ा तो कर दो, अभी पूरा खड़ा नहीं हुआ है. और अभी तो मैंने चूत भी नहीं चाटी है.

मैं इससे आगे कुछ बोलता, उससे पहले ही वो बैठ गई और मुझे लेटाकर 69 की पोजीशन में आ गई, अब वो मेरे लंड को चूस रही थी और मैं उसकी चूत को चाट रहा था.

अब क्या बताऊँ ? उसकी चूत में एक अलग ही स्वाद आ रहा था, या फिर यूँ कहूँ कि बहुत दिनों में चूत को चाटा था इसलिए भी मुझे एक अलग स्वाद आ रहा था.

5 मिनट में ही उसने मेरा लंड चूसकर खड़ा और कड़क कर दिया, तभी वो बोली- अब तो चोदना शुरू कर दो.

पर मेरा ध्यान उसकी चूत चाटने में ही था, तभी वो हटने लगी और बोलने लगी- प्लीज अब डाल भी दो !

मैंने उससे थोड़ी देर और उसकी चूत चाटने के लिये कहा पर उसने मना कर दिया लेकिन थोड़ी देर उसे मनाने के बाद उसने हाँ कह दिया और मैं फिर से उसकी चूत को चाटने लगा, वो भी मेरे लंड को फिर से चूसने लगी.

2 मिनट और उसकी चूत को चाटने के बाद मुझे भी उसकी तड़पने की आवाज ज्यादा सुनाई दी तो मैंने भी देर न करते हुए उसे सीधा लेटाया और उसके दोनों पैरों को मेरे कन्धों पर रखकर लंड को उसकी चूत में धीरे धीरे डालने लगा और 3-4 झटकों में ही मेरा लंड उसकी चूत में समा गया, और धीरे से उसकी आअह्हह्ह ह्हह स्सीईए सिसकारी निकल गई और उसने मेरे दोनों हाथों की कलाइयों को पकड़ लिया, और धीरे धीरे मैं उसकी चूत में लंड अंदर बाहर करता गया.

उसकी चूत थोड़ी टाइट थी तो मुझे भी चोदने में मजा आ रहा था. धीरे धीरे मैंने धक्कों की गति तेज कर दी, तेज धक्कों के साथ जेसिका भी तेज तेज सिसकारियाँ ले रही थी 'आआह्ह आअह्ह आआ अह्ह आआह आअस्स स्फ़फ़. चोदो मुझे बहुत मजा आ रहा रहा है, बड़े दिनों बाद लंड मिला है, ऐसे ही चोदते रहो आह्ह... फक मी! आह्हह... फआह्हह... मीईईई आह्हह!

इसी तरह चोदते चोदते मैं जेसिका को किस भी कर रहा था, वो इतनी गर्म हो रही थी कि 3-4 मिनट में ही उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया, और मेरी कलाइयों को भी! उसके चेहरे पर एक सुकून था.

अब मैंने भी लंड को निकाल कर अपनी पोजीशन बदली और उसके मुँह के पास लंड पहले तो उसने गीला होने की वजह से चूसने से मना कर दिया, फिर बाद में रुमाल निकालकर मेरे लंड को साफ किया और फिर मजे से चूसने लगी.

कुछ देर बाद मैंने उसे घोड़ी बनाया और लंड को उसकी चूत में डालकर चोदने लगा. गीली होने की वजह से लंड उसकी चूत में आसानी से अंदर बाहर जा रहा था और मैं उसके मम्मों

को भी मसल रहा था.

तभी उसने तेज गति से धक्के लगाने का बोला, मैंने भी उसकी बात मान ली और तेज गति से धक्के लगाने लगा. जेसिका मेरा बराबर साथ दे रही थी तो मुझे भी उतना ही आनन्द आ रहा था जितना कि उसे !

बीच में मैंने 2 बार लंड को निकालकर उसके मुँह में डाला और फिर उसे चोदा.

15 मिनट तक उसे घोड़ी बनाकर चोदता रहा रहा और वो दूसरी बार झड़ गई और फिर सन्तुलन खोकर बिस्तर पर गिर गई, शायद इतनी देर तक घोड़ी बनी हुई थक गई होगी. पर अभी मेरा नहीं निकला था, तो मैंने फिर से उसे किस किया और किस करते करते उसकी एक पैर को कन्धे पर रखकर मेरे लंड को उसकी चूत में डाल दिया और फिर धक्के लगाने लगा. दो मिनट ऐसे ही चोदने के बस मैं उसके मम्मों को तेजी से मसलने लगा और अब मैं भी जब झड़ने के करीब पहुंचा तो मैं बोला- मैं भी झड़ने वाला हूँ.

जेसिका- अंदर नहीं, मेरे बूक्स पर सारा माल गिराना !

जैसे ही मैं झड़ने के थोड़ा और करीब पहुंचा तो मैंने लंड को उसकी चूत से निकाला और कंडोम भी निकाल दिया और पहले तो लंड को उसके मुँह में दिया और धक्के लगाने लगा और कुछ ही सेकण्ड बाद मैंने सारा माल उसके बूक्स पर गिरा दिया.

जब थोड़ा बहुत माल मेरे लंड पर था तो उसने चाटकर साफ़ कर दिया.

पर वो यहीं नहीं रुकी, 5 मिनट तक उसने मेरे लंड को चूसा और फिर मुझे किस करने लगी. बहुत देर तक हम दोनों एक दूसरे को किस करते रहे और फिर एक दूसरे को बाँहों में भर कर बिस्तर पर ही लेट गए.

कुछ देर में दोनों बाथरूम में जाकर एक दूसरे के शरीर को साफ़ करने लगे. कुछ देर बाद

मैंने चिट्ठे को फोन लगाया, थोड़ी देर में वो भी आ गया और फिर हमने 3सम किया, वो भी 2 बार.

उसके और हमारे चेहरे पर बहुत दिनों बाद सेक्स का सुकून दिख रहा था और खुशी भी, क्योंकि सेक्स के लिये हमें एक नया पार्टनर भी जो मिल चुका है.

पर उसने उसकी गाण्ड को हाथ नहीं लगाने दिया, हमने बहुत मिन्नतें की पर वो नहीं मानी.

उसके बाद हमने बहुत बार सेक्स किया जो आज भी जारी है, उसने हमसे उसकी सहेली को भी चुदवाया, जिसकी कहानी मैं बाद में लिखूंगा.

आपको मेरी फ्री हिंदी सेक्स स्टोरी कैसी लगी, मुझे कमेंट्स करें. और हाँ गन्दे कम्मेन्ट्स न करें.

Other stories you may be interested in

लॉकडाउन के बाद सौतेली मां के साथ चुदाई- 3

Xxx हिन्दी फॅमिली सेक्स कहानी एक जवान लड़के और उसकी सौतेली माँ की आपस में चुदाई की है. लॉकडाउन के चलते उन्हें सेक्स का मौका नहीं मिला था. जब मौका मिला तो ... साथियो, मैं हर्षद मोटे आपका एक बार [...]

[Full Story >>>](#)

दो मस्त कामवालियों को एक साथ चोदा- 1

देशी Xxx चूत की कहानी में मैंने अपने गाँव की दो चूतों को चोदा. दोनों मुझसे बड़ी थी पर दोनों बिन ब्याही थी. तब तक मैंने सेक्स का मजा नहीं लिया था. हैलो फ्रेंड्स, मेरे गाँव में मेरे साथ एक [...]

[Full Story >>>](#)

लॉकडाउन के बाद सौतेली मां के साथ चुदाई- 1

फ्री सेक्स स्टोरीज साईट पर पढ़ें एक लड़के के उसकी सौतेली माँ के साथ यौन सम्बन्धों पर आधारित चुदाई कहानी. सौतेली माँ ने अपनी इच्छा अपने बेटे को बताई तो ... अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को हर्षद का नमस्कार. दोस्तो, [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन भाभी ने मुझे पटाकर चूत मरवाई- 2

हॉट सेक्सी भाभी की कहानी में पढ़ें कि मेरी पड़ोसन मेरे घर आती तो मुझे छेड़ती थी. एक दिन उसने मुझे अपने घर बुलाकर चुम्मा चाटी की तो ... दोस्तो, मैं सन्दीप कुमार एक बार फिर से आपका, अपनी पड़ोसन [...]

[Full Story >>>](#)

बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 3

Xxx जीजा साली सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि दो बार मेरी चूत चोदने के बाद मेरा जीजा मेरी गांड मारना चाहता था. मगर मुझे उसके मोटे लंड से डर लग रहा था. यह कहानी सुनें. हैलो फ्रेंड्स, मैं सुधा आपके [...]

[Full Story >>>](#)

